पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने जनपद चित्रकूट में बाढ़ की स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यों तथा प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास और विकास कार्यों की समीक्षा की

प्रभावित व्यापारियों, संतों एवं किसानों के नुकसान का सर्वे कराकर पात्र व्यक्तियों की सूची तैयार करने तथा नियमानुसार शीघ्र सहायता उपलब्ध करायी जाए : मुख्यमंत्री

ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र प्रभावित परिवारों को वी0बी0–जी0–राम–जी0 जैसी योजनाओं से लाभान्वित कराया जाए

राहत सामग्री की गुणवत्ता बनाए रखी जाए, सामग्री वितरण में किसी भी प्रकार का भेदभाव न किया जाए

बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए

मुख्यमंत्री ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त मन्दिरों, मठों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सूची तैयार कर आवश्यक कार्यवाही करने तथा जरूरत पड़ने पर मध्य प्रदेश शासन से समन्वय स्थापित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने किसानों की फसल क्षति का सर्वे प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिए

पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त मकानों के पात्र परिवारों को पट्टे की भूमि एवं आवास उपलब्ध कराने तथा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत के लिए नियमानुसार आर्थिक सहायता देने हेतु निर्देशित किया

चित्रकूट धाम की स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देने तथा उपयुक्त स्थल चिन्हित कर गोस्वामी तुलसीदास जी की क्षतिग्रस्त मूर्ति को सम्मानपूर्वक स्थापित कराने के निर्देश दिए

मंदाकिनी नदी एवं आसपास के क्षेत्रों में अतिक्रमण को शीघ्र चिन्हित करने के निर्देश

राहत शिविरों में रह रहे बच्चों तथा जलभराव से प्रभावित विद्यालयों के विद्यार्थियों की पढ़ाई के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश

लखनऊ : 06 सितम्बर, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज जनपद चित्रकूट में आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में बाढ़ की स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यों तथा प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास और विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से बाढ़ से हुए नुकसान और अब तक किए गए राहत कार्यों की जानकारी लेते हुए प्रभावित लोगों को समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से बाढ़ राहत सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने प्रभावित व्यापारियों, संतों एवं किसानों के नुकसान का सर्वे कराकर पात्र व्यक्तियों की सूची तैयार करने तथा नियमानुसार शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने को कहा। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया कि तहसील कर्वी के

प्रभावित क्षेत्रों में अब तक 35,000 लंच पैकेट, 4,500 राशन किट तथा 650 खातों में 50 लाख रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई जा चुकी है।

मुख्यमंत्री जी ने किसानों की फसल क्षति का सर्वे प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त मकानों के पात्र परिवारों को पट्टे की भूमि एवं आवास उपलब्ध कराने तथा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत के लिए नियमानुसार आर्थिक सहायता देने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र प्रभावित परिवारों को वी0बी0–जी0–राम–जी0 जैसी योजनाओं से लाभान्वित कराया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने उपलब्ध राहत किट की समीक्षा करते हुए शेष किट का वितरण 48 घण्टे के भीतर प्रत्येक पात्र प्रभावित व्यक्ति तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राहत सामग्री की गुणवत्ता बनाए रखी जाए। सामग्री वितरण में किसी भी प्रकार का भेदभाव न किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने जिलाधिकारी को मंदाकिनी नदी एवं आसपास के क्षेत्रों में हुए अतिक्रमण को शीघ्र चिन्हित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बड़े क्षेत्र से आने वाले पानी की निकासी के लिए नदी का पर्याप्त विस्तार जरूरी है। नदी के संकरे होने से बाढ़ का खतरा बढ़ता है। इस बार जनहानि नहीं हुई, लेकिन व्यापक धनहानि हुई है। इसलिए बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने नदी किनारे घाटों से सटे मन्दिरों एवं मठों को आवश्यकता के अनुसार पीछे किए जाने की सम्भावना पर कार्यवाही करने तथा नदी पर बने पुलों की जांच एवं तकनीकी ऑडिट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलों की निर्माण संस्था, गुणवत्ता एवं संरचनात्मक स्थिति की भी जांच की जाए। उन्होंने बाढ़ से क्षतिग्रस्त मन्दिरों, मठों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सूची तैयार कर आवश्यक कार्यवाही करने तथा जरूरत पड़ने पर मध्य प्रदेश शासन से समन्वय स्थापित करने को कहा।

मुख्यमंत्री जी ने नगर की सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। प्रभारी अधिशासी अधिकारी/उप जिलाधिकारी ने बताया कि नगर पालिका परिषद में वर्तमान में 305 सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं। मुख्यमंत्री जी ने अतिरिक्त सफाई कर्मियों की व्यवस्था करने और नगर पालिका के लिए स्थायी अधिशाषी अधिकारी की नियुक्ति के सम्बन्ध में आवश्यक पत्राचार करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने नालों से अतिक्रमण हटाने, आवश्यकता के अनुसार फुटपाथ विकसित करने तथा बाढ़ से दुकानों एवं मार्गों पर जमा मलबे की शीघ्र सफाई कराने को कहा। नदी में गिरने वाले सीवर एवं नालों के पानी के समुचित ट्रीटमेंट की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए उन्होंने मंदाकिनी की स्वच्छता बनाए रखने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री जी ने चित्रकूट धाम की स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देने

तथा उपयुक्त स्थल चिन्हित कर गोस्वामी तुलसीदास जी की क्षतिग्रस्त मूर्ति को सम्मानपूर्वक स्थापित कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने देवांगना एयरपोर्ट से कर्वी तक 04–लेन सड़क निर्माण की प्रगति की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना वर्ष 2023 में स्वीकृत हुई थी और वर्ष 2024 में पूर्ण होनी थी। निर्धारित समय बीतने के बाद भी कार्य पूरा न होने पर मुख्यमंत्री जी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए 24 घण्टे में जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि देरी के लिए ठेकेदार दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उसे ब्लैकलिस्ट किया जाए। सम्बन्धित विभागीय अधिकारी की लापरवाही या अनियमितता मिलने पर उनके विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अवगत कराया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 40 स्वास्थ्य टीमें लगाई गई हैं और बाढ़ चौकियां सक्रिय हैं। आशा एवं ए0एन0एम0 के माध्यम से क्लोरीन और आवश्यक दवाओं का वितरण कराया जा रहा है। रामघाट सहित प्रभावित क्षेत्रों में एण्टी लार्वा एवं ब्लीचिंग का छिड़काव किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने सर्पदंश, कुत्ते के काटने एवं जंगली जानवरों के हमले की स्थिति में आवश्यक वैक्सीन और दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राहत शिविरों में रह रहे बच्चों तथा जलभराव से प्रभावित विद्यालयों के विद्यार्थियों की पढ़ाई के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री जी ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों, विद्युत व्यवस्था एवं अन्य सार्वजनिक परिसम्पत्तियों का सर्वे कराकर मरम्मत कार्य तत्काल शुरू कराने की तैयारी के निर्देश दिए। उन्होंने सम्बन्धित विभागों में नोडल अधिकारी नियुक्त कर कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने पुलिस को पेट्रोलिंग बढ़ाने तथा असामाजिक एवं अराजक तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए जनपद में शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बाढ़ प्रभावितों को राहत और पुनर्वास का लाभ समयबद्ध, पारदर्शी एवं संवेदनशील तरीके से मिले तथा भविष्य में बाढ़ से होने वाली क्षति को न्यूनतम करने के लिए दीर्घकालिक समाधान पर तेजी से काम हो।

इस अवसर पर जलशक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी', विधायक श्री अविनाश चन्द्र द्विवेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अशोक जाटव सहित शासन–प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

————————————